डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

DFC News

डीएफसी समाचार

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
भारत सरकार (रेल मंत्रालय) का उपक्रम
WE BELIEVE IN SINCERITY, SPEED & SUCCESS

वर्ष 7, अंक 25 अक्टूबर-दिसम्बर, 2016

प्रबंध निदेशक का नव वर्ष संदेश

मेरे प्रिय डीएफसीसीआईएल परिवार के सदस्यों,

सर्वप्रथम, मैं आपको और आपके परिवार को नव वर्ष 2017 की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ और आशा करता हूँ की आने वाला वर्ष आप सब के जीवन में सुख, समृद्धि और संपन्नता लाये। यह अत्यंत खुशी की बात है कि वर्ष 2017 की शुरुआत बीते साल की उपलब्धियों की मजबूत बुनियाद पर हो रही है। साल 2016 डीएफसी के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव था। इस साल न केवल हमने अपनी स्थापना के दस वर्ष पूरे किए अपितु वर्ष के दौरान हमने प्रत्येक क्षेत्र (कांट्रैक्ट अवार्ड से लेकर निर्माण कार्यों की प्रगति, विश्व बैंक की फंडिंग से लेकर पूंजीगत व्ययों की बढ़ोतरी, भूमि अधिग्रहण इत्यादि) में कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं ।

डीएफसी ने वर्ष 2016 के दौरान कांट्रैक्ट अवार्ड के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। दोनों कोरीडोरों में सिविल, इलेक्ट्रिकल और एस ऐंड टी को मिलाकर कुल 18000/- करोड़ रुपये के कांट्रैक्ट अवार्ड किए गए, जो एक कैलेंडर वर्ष में अवार्ड किए गए कांट्रैक्ट का रिकॉर्ड है। इस वर्ष पश्चिमी डीएफसी में शत–प्रतिशत कांट्रैक्ट अवार्ड का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया गया।

पिछले वर्ष निर्माण कार्यों की प्रगति में भी जबर्दस्त प्रगति देखने को मिली। 30 मार्च 2016 को पूर्वी डीएफसी के 56 किमी लंबे न्यू दुर्गावती–सासाराम सेक्शन पर पहली व्यावसायिक माल गाड़ी सफलतापूर्वक संचालित की गई। पूर्वी और पश्चिमी डीएफसी में 480 किमी तक मैकेनाइज्ड ट्रैक लेइंग का कार्य पूरा किया गया जिसमे 300 किमी से ज्यादा 2016 में किया गया। दोनों कोरीडोर में निर्माण कार्यों की निगरानी एवं प्रबंधन के लिए रेलवे के इतिहास में पहली बार ड्रोन की स्पैशल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया। खुर्जा–कानपुर और रेवाड़ी–पालनपुर खंडों के कार्य में भी 5 गुना की प्रगति हुई है।

अबाध गति से निर्माण कार्यों की प्रगति सुनिश्चित करने के लिए वित्त की व्यवस्था में कोई कसर नहीं छोड़ी गई। पूर्वी डीएफसी के तीसरे चरण (लुधियाना–खुर्जा सेक्शन) के लिए विश्व बैंक के साथ 650 मिलियन डॉलर के ऋण अनुबंध पर हस्ताक्षर के साथ ही दोनों कोरोडीरों में सौ प्रतिशत फंडिंग पूरी की जा चुकी है। पूंजीगत व्ययों के लिहाज से भी यह वर्ष काफी सफल रहा। सितम्बर 2016 तक समाप्त छमाही में 4500 करोड़ रुपये के खर्चे पूंजीगत मदों में किए गए, जो पिछले साल की तुलना में 148% ज्यादा थे।

भूमि अधिग्रहण के क्षेत्र में दिसम्बर 2016 तक 95% से ज्यादा भूमि अधिग्रहित की जा चुकी है। डीएफसी ने वर्ष 2016 का प्रतिष्ठित "Golden Peacock Award for Sustainability" जीत कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की।

आप सब की मेहनत, कर्मठता और लगन के परिणामस्वरूप ही विगत वर्षों में लगातार अति उत्तम प्राप्त कर रही डीएफसी को वर्ष 2015-16 में उत्कृष्ट समझौता ज्ञापन रेटिंग (Outstanding MoU rating) प्राप्त हुई है। जाहिर है, पिछले साल की उपलब्धियां हमें नई ऊर्जा के साथ आगे

बढ़ने को प्रेरित कर रही हैं और नए वर्ष की चुनौतियों का सामना करने के लिए हमारे भीतर आत्मविश्वास पैदा कर रही हैं।

डीएफसी निर्माण के लक्ष्य को हासिल करने की दृष्टि से वर्ष 2017 अत्यंत महत्वपूर्ण है। डीएफसी परियोजना के महत्व से हम सभी परिचित हैं। इस परियोजना पर पूरे देश की निगाहें हैं। दोनों कॉरीडोर को दिसम्बर 2019 तक कमिशन करने का कठिन लक्ष्य हमें दिया गया है। इसी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी सेक्शनों पर निर्माण कार्यों में तेजी लाना हमारी पहली प्राथमिकता होगी। इसमे न केवल सिविल, अपितु इलेक्ट्रिकल और सिग्नलिंग के कार्यों को भी आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें पूर्ण लगन से अपने कार्य को करना है। सही समय पर उचित निर्णय लेना अनिवार्य है। इसी के साथ गुणवत्ता तथा सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखना है।

यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि हम इस महान परियोजना के साथ जुड़े हैं। लेकिन साथ ही यह हमारे लिए एक बड़ी जिम्मेदारी भी है कि हम इस परियोजना को समय पर पूरा करने की लोगों की अपेक्षाओं पर खरे उतरें।

मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि इस परिवार का हर सदस्य अपनी इस जिम्मेदारी को भली–भाँति समझता है। वह पूरी लगन के साथ इसका निर्वहन करता आया है और करता रहेगा। आइए, नए साल की शुरुआत के साथ अपने इस संकल्प को और दृढ़ करें और राष्ट्र निर्माण के लिए मिले इस सुअवसर के सहभागी बनें ।

एक बार पुनः मैं आप को एवं आपके परिवार को नव वर्ष की हार्दिक शुभ कामनाएँ देता हूं।

जय हिंद
आदेश शर्मा
प्रबंध निदेशक

डीएफसीसीआईएल का 11वां स्थापना दिवस समारोह

डीएफसीसीआईएल ने 05 नवंबर 2016 को नई दिल्ली में अपना 11वां स्थापना दिवस मनाया। श्री ए. के. मित्तल, चेयरमैन, रेलवे बोर्ड एवं चेयरमैन, डीएफसीसीआईएल ने दीप प्रज्ज्वलित कर स्थापना दिवस समारोह का उद्घाटन किया। श्री मित्तल ने कॉण्ट्रैक्ट अवार्ड, भूमि अधिग्रहण, निर्माण कार्य और विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल जैसे क्षेत्रों में की गई प्रगति के लिए डीएफसीसीआईएल की सराहना की। श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक/डीएफसीसीआईएल ने इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले वर्ष के दौरान डीएफसीसीआईएल ने सभी क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। वर्ष 2015–16 में डीएफसीसीआईएल का कैपेक्स रु. 2885 करोड़ से बढ़कर रु. 8500 करोड़ तक पहुंच गया, जो कि इसके पूर्व के वित्तीय वर्ष की तुलना में लगभग तीन गुना है। इस अवसर पर श्री प्रदीप कुमार, सदस्य, स्टाफ/रेलवे बोर्ड, श्री ए. के. मित्तल, सदस्य, इंजीनियरिंग/रेलवे बोर्ड डीएफसीसीआईएल के निदेशक–गण, स्वतंत्र निदेशक, विश्व बैंक और जाइका के प्रतिनिधि, रेलवे बोर्ड, डीएफसीसीआईएल, अन्य मंत्रालयों एवं लोक उपक्रमों के वरिष्ठ अधिकारी तथा अन्य स्टेक होल्डर भी उपस्थित थे।

पूर्वी डीएफसी फेज 3 के लिए ऋण अनुबंध पर हस्ताक्षर

डीएफसीसीआईएल, भारत सरकार और विश्व बैंक ने पूर्वी डीएफसी के तीसरे चरण के लिए 650 मिलियन यूएस डॉलर के ऋण अनुबंध पर दस्तखत किए हैं। दिनांक 21.10.2016 को नई दिल्ली में भारत सरकार की तरफ से श्री राज कुमार, संयुक्त सचिव, आर्थिक मामले विभाग, वित्त मंत्रालय, डीएफसीसीआईएल की तरफ से श्री एम. के. मित्तल, निदेशक, वित्त, डीएफसीसीआईएल तथा विश्व बैंक की ओर से श्री हिशाम अब्दो, ऑपरेशन मैनेजर एवं ऐक्टिंग कंट्री डायरेक्टर, वर्ल्ड बैंक इंडिया ने ऋण एवं गारंटी अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक, डीएफसीसीआईएल एवं श्री अंशुमान शर्मा, निदेशक, परियोजना नियोजन, डीएफसीसीआईएल भी मौजूद थे।

सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन एवं विजिलेंस जर्नल 2016 का विमोचन

डीएफसीसीआईएल में 31.10.2016 से 05.11.2016 तक सतर्कता जागरुकता सप्ताह मनाया गया। इसकी शुरुआत श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक/डीएफसीसीआईएल ने अधिकारियों व कर्मचारियों को सतर्कता संबंधी शपथ दिलाकर की। मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री यू. वी. लाल ने कंपनी के कामकाज में ईमानदारी, पारदर्शिता और जन–भागीदारी बढ़ाने की अपील की। इस अवसर पर श्री विवेक मेहरोत्रा, इंट्रीग्रेटेड एक्सटर्नल मॉनीटर फॉर इंटेग्रिटी पैक्ट, ओएनजीसी ने इंटेग्रिटी पैक्ट पर संबोधन दिया।

दिनांक 04.11.2016 को डीएफसीसीआईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में सतर्कता आयुक्त श्री राजीव ने डीएफसीसीआईएल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर 'डीएफसी विजिलेंस जर्नल 2016' का विमोचन किया तथा सतर्कता जागरुकता सप्ताह के दौरान आयोजित निबंध प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक/डीएफसीसीआईएल, श्री अंशुमान शर्मा, निदेशक/परियोजना नियोजन, श्री एच.डी. गुजराती, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास, श्री डी.एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना तथा श्री यू. के. लाल, मुख्य सतर्कता अधिकारी भी उपस्थित थे।

अक्टूबर – दिसम्बर 2016 तिमाही की मुख्य उपलब्धियां

प्रमुख उपलब्धियां

- **मुगलसराय – न्यू भाऊपुर सेक्शन, पूर्वी डीएफसी :** सिग्नलिंग कार्य के लिए दिनांक 03.10.2016 को कांट्रैक्ट सहमति पर हस्ताक्षर हुए। रु. 471 करोड़ का यह कांट्रैक्ट मेसर्स. बीजिंग नेशनल रेलवे रिसर्च ऐंड डिजाइन इंस्टीट्यूट ऑफ सिग्नल ऐंड कम्युनिकेशन ग्रुप कंपनी लिमिटेड को अवार्ड किया गया है।
- **खुर्जा – दादरी सेक्शन, पूर्वी डीएफसी :** PMC सेवाओं के लिए कांट्रैक्ट सहमति पर दिनांक 20.10.2016 को हस्ताक्षर हुए। कांट्रैक्ट मेसर्स TYPSA-ICT-BARSYL JV को अवार्ड किया गया है।
- **रेवाड़ी – इकबालगढ़ सेक्शन, पश्चिमी डीएफसी :** उपरोक्त तिमाही के दौरान 45.33 किमी ब्लैंकेटिंग सहित फॉर्मेशन, 35,800 घन मीटर कंक्रीटिंग और 79.9 किमी ट्रैक लिंकिंग पूरी की गई। दिसंबर 2016 तक कुल 25 बड़े पुलों, 400 छोटे पुलों और 47 रेल अंडर ब्रिजों (RUBs) का निर्माण पूरा किया जा चुका है।
- **न्यू भाऊपुर – खुर्जा सेक्शन, पूर्वी डीएफसी :** उपरोक्त तिमाही के दौरान 11.44 किमी ब्लैंकेटिंग तथा 6 छोटे पुलों का निर्माण कार्य पूरा किया गया। दिसंबर 2016 तक कुल 169 किमी ट्रैक लिकिंग पूरी की जा चुकी है।
- **मुगलसराय – सोननगर सेक्शन, पूर्वी डीएफसी :** सोन ब्रिज का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। उपरोक्त तिमाही के दौरान 16 PSC बॉक्स गर्डर लांच किए गए। दिसंबर 2016 तक कुल 168 PSC बॉक्स गर्डर लांच किए जा चुके हैं।
- **न्यू भाऊपुर – मुगलसराय सेक्शन, पूर्वी डीएफसी :** 95 प्रतिशत से ज्यादा भूमि कांट्रैक्टर को सुपुर्द कर दी गई है। 100 किमी से ज्यादा स्ट्रेच पर अर्थवर्क प्रगति पर है। 12 बड़े पुलों पर काम शुरु हो चुका है। 150 छोटे पुलों का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है।

पूर्वी डीएफसी

- खुर्जा – पिलखानी सेक्शन में सिविल कार्यों के लिए प्रथम चरण तकनीकी प्रस्ताव दिनांक 19.08.2016 को आमंत्रित किए गए थे। प्री–सब्मिशन कांफ्रेंस दिनांक 15.09.2016 को आयोजित की गई। प्रश्नों के जवाब तथा परिशिष्ट, विश्व बैंक की क्लियरेंस के बाद जारी कर दिए गए हैं। 8 बिडरों की तरफ से तकनीकी प्रस्ताव दिनांक 22.11.2016 को प्राप्त किए गए, जिनका मूल्यांकन जनरल कंसलटेंट द्वारा किया जा रहा है।
- भारतीय रेल में रेलवे प्लैनिंग ऐंड इंवेस्टमेंट आर्गनाइजेशन (RPIO) और स्पेशल यूनिट फॉर ट्रांसपोर्टेशन रिसर्च ऐंड अनैलिसिस (SUTRA) की RFP की 'तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट' दिनांक 02.12.2016 को विश्व बैंक को भेज दी गई।
- भारतीय रेल के लिए स्पेशल रेलवे इस्टैबलिशमंट फॉर स्ट्रटीजिक टेक्नॉलजी ऐंड होलिस्टिक एडवांसमेंट स्टडी (SHRETHA) की RFP की 'तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट' विश्व बैंक को दिनांक 29.11.2016 को भेज दी गई। विश्व बैंक की क्लियरेंस के बाद दिनांक 15.12.2016 को वित्तीय प्रस्ताव भेजे गए। संयुक्त मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक को दिनांक 23.12.2016 को भेज दी गई।
- पूर्वी डीएफसी के खुर्जा – पिलखानी सेक्शन की PMC के लिए RFP चयनित कंसलटेंटों को दिनांक 25.10.2016 को भेज दी गई। प्री–सब्मिशन कांफ्रेंस दिनांक 16.11.2016 को आयोजित की गई। प्रश्नों के उत्तर, विश्व बैंक की क्लियरेंस के बाद दिनांक 19.12.2016 और 27.12.2016 को भेज दिए गए। RFP को जमा करने की अंतिम तारीख 16.01.2017 है।
- CP-104 के सिग्नलिंग कार्यों के इंडिपेंडेंट सेफ्टी असेसर (ISA) की RFP की तकनीकी मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए दिनांक 26.09.2016 को जमा कर दी गई थी। इसके बाद दिनांक 29.09.2016 को विश्व बैंक की क्लियरेंस प्राप्त कर ली गई और वित्तीय प्रस्ताव दिनांक 07.10.2016 को खोले गए। संयुक्त मूल्यांकन रिपोर्ट विश्व बैंक को दिनांक 16.11.2016 को भेज दी गई। कांट्रैक्ट सहमति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- पूर्वी डीएफसी फेज 3 की QSAC सेवाओं के लिए तकनीकी मूल्याकंन रिपोर्ट विश्व बैंक की क्लियरेंस के लिए 22.09.2016 को भेज दी गई। दिनांक 03.10.2016 को विश्व बैंक की क्लियरेंस प्राप्त हो गई और दिनांक 14.10.2016 को वित्तीय प्रस्ताव खोले गए। विश्व बैंक को संयुक्त मूल्यांकन रिपोर्ट दिनांक 08.11.2016 को भेज दी गई है। कांट्रैक्ट सहमति के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- पूर्वी डीएफसी फेज़–3 (खुर्जा–पिलखानी सेक्शन) SESMRC के लिए EOI विश्व बैंक की क्लियरेंस के बाद जारी कर दी गई है। दिनांक 28.12.2016 को 16 आवेदन प्राप्त हुए। डीएफसी द्वारा मूल्यांकन प्रगति पर है।

पश्चिमी डीएफसी

- **स्पेशल ब्रिज पैकेज कांट्रैक्ट :** माही नदी के 9 खंभों और साबरमती नदी के 10 खंभों पर फाउंडेशन कार्य प्रगति पर है। 22.8% कंक्रीटिंग पूरी की जा चुकी है कार्य की कुल प्रगति लगभग 24.5% है।
- **इकबालगढ़ – मकरपुरा सेक्शन (289 किमी) :** सिविल और ट्रैक पैकेज के अंतर्गत 54% सर्वे डेटा वैलिडेशन और 65% जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा किया जा चुका है।
- **साचिन – वैतरणा एवं वडोदरा – साचिन सेक्शन (320 किमी) :** सिविल और ट्रैक पैकेज के अंतर्गत इन दोनों सेक्शनों का सर्वे व जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा हो चुका है। डिजाइन कार्य अंतिम चरण में है।
- **स्पेशल स्टील ब्रिज :** सर्वे और जिओटेक्निकल जांच कार्य पूरा हो चुका है। डिजाइन कार्य अंतिम चरण में है।

विविध उपलब्धियां

- डीएफसीसीआईएल और इसके कैचमेंट एरिया की मार्केटिंग और व्यावसायिक कार्यनीति के विकास के लिए कंसलटेंसी सेवा के मुद्दे पर प्रगति समीक्षा बैठक दिनांक 25.10.2016 को आयोजित की गई। दिनांक 05.12.2016 को अंतिम रिपोर्ट का परिशोधित मसौदा (revised draft) जमा कर दिया गया।
- डीएफसीसीआईएल के इंस्टीट्यूशनल स्ट्रैंथनिंग माड्यूल (ISMD) पर कंसलटेंट और डीएफसीसीआईएल कमेटी सदस्यों की प्रगति समीक्षा बैठक दिनांक 17.11.2016 और 18.11.2016 को आयोजित की गई।
- भारत में हैवी हॉल रेल क्षमता विकास यानी HHRCDI की रिपोर्ट दिनांक 26.10.2016 को कंसलटेंट द्वारा जमा करा दी गई। इस विषय

पर चर्चा के लिए दिनांक 22.11.2016 को बैठक हुई। परिशोधित अंतिम रिपोर्ट दिनांक 01.12.2016 को जमा कर दी गई।

- रु. 6 करोड़ की आयकर मांग का मामला, जो वर्ष 2008 से लंबित था, का निपटारा सुधार/Waiver आदि के जरिए कर लिया गया है।
- वर्ष 2015–16 के लिए पूर्वी डीएफसी फेज 1 और फेज 2 की विश्व बैंक ऑडिट रिपोर्ट ऋण अनुबंध के तयशुदा समय में जमा करा दी गई है।
- पूर्वी डीएफसी फेज 1 के ऋण की पुनर्संरचना का प्रस्ताव DEA को फॉरवर्ड करने के लिए रेलवे बोर्ड के पास जमा कर दिया गया है। इसमें ऋण की राशि को 975 मिलियन यूएस डॉलर से घटाकर 800 मिलियन यूएस डॉलर करने और ऋण की अदायगी अवधि जून 2017 से बढ़ाकर जून 2019 करने का अनुरोध किया गया है।

भूमि अधिग्रहण

- दिसंबर 2016 तक कुल 95.8% भूमि का अधिग्रहण किया जा चुका है। इसमें पूर्वी डीएफसी का सोननगर – डानकुनि सेक्शन शामिल नहीं है, जिसका निर्माण पीपीपी मोड पर किया जा रहा है। पश्चिमी डीएफसी की अधिग्रहण योग्य 6000 हेक्टेयर में से 5792 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहित की जा चुकी है। पूर्वी डीएफसी में अधिग्रहण योग्य कुल 5765 हेक्टेयर में से 4917 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जा चुका है। दिसंबर 2016 तक कुल रु. 10,915 करोड़ के मुआवजे का भुगतान किया जा चुका है। इसमें रु. 5157 करोड़ पश्चिमी डीएफसी तथा रु. 5759 करोड़ पूर्वी डीएफसी में अधिग्रहण की गई जमीन की एवज में भुगतान किया गया है।

मानव संसाधन

- विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा कार्यशालाओं में कुल 42 अधिकारियों व स्टाफ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में निम्नलिखित विषय शामिल थे– माल परिवहन, सूचना का अधिकार, भारतीय रेल का वि–कार्बनीकरण, सिग्नलिंग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार वित्त, जिओ–सिंथेटिक्स, दूरसंचार– ट्रेंड एवं चुनौतियां, स्पेशल कोर्स फॉर फॉर्मेशन, मानव संसाधन विकास के नए संकेत आदि। इनके अलावा 69 अधिकारियों ने Fraud & Detection Policy पर आयोजित व्याख्यानों और कार्यक्रमों में हिस्सा लिया।
- उपरोक्त तिमाही के दौरान 2 सहायक प्रबंधकों, 15 कार्यकारियों और 15 कनिष्ठ कार्यकारियों की ओपन मार्केट से भर्ती की गई। इनके अलावा 06 अधिकारियों ने प्रतिनियुक्ति पर डीएफसीसीआईएल ज्वाइन किया।

कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस

- उपरोक्त तिमाही के दौरान डीएफसीसीआईएल के फेसबुक पेज पर संबंधित तस्वीरों के साथ 13 संदेश पोस्ट किए गए। इसके अलावा ट्विटर हैंडल पर संबंधित तस्वीरों के साथ 35 ट्वीट किए गए। डीएफसीसीआईएल के आधिकारिक यू ट्यूब चैनल पर total views की संख्या एक लाख पार कर गई।

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर

क्या कहता है डीएफसी का लोगो

कंपनियां एवं अन्य संस्थाएं लोगो का इस्तेमाल अपनी पहचान को ग्रैफिक्स, रंगों, तस्वीरों और टेक्स्ट के जरिए प्रकट करने के लिए करती हैं। इसे कंपनी की Visual Identity भी कह सकते हैं। लोगो को देखकर जन–मानस के मन में पूरी कंपनी की एक तस्वीर उभर कर आती है। इस तरह नियोजित तरीके से तैयार किया गया लोगो संचार का एक प्रभावशाली माध्यम बन जाता है जो ब्रांडिंग के साथ–साथ बॉण्डिंग का भी काम करता है।

डीएफसी जैसी विशाल परियोजना की तमाम विशेषताओं को एक लोगो में समेटना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस कार्य को अंजाम देने के लिए कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन विभाग के अलावा देश की एक प्रतिष्ठित संस्था–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिज़ाइन, अहमदाबाद के अनुभवी प्रोफेशनल भी शामिल थे। शीर्ष अधिकारियों द्वारा दिए गए इनपुट एवं समय–समय पर हुए संसोधनों के बाद डीएफसी का लोगो 2012 में बनकर तैयार हुआ।

डीएफसी का लोगो कंपनी की सबसे प्रमुख गतिविधि– रेल बुनियादी ढांचों के निर्माण को प्रकट करता है। लोगो का पहला अक्षर– D डीएफसी की दो महत्वपूर्ण विशेषताओं को अभिव्यक्त करता है। यह आकृतिनुमा अक्षर एक तरफ लोकोमोटिव यानी रेल का इंजन को दर्शाता है, जबकि इसके बीच में बनी दो तिरछी रेखाएं गतिमान रूप में रेलवे ट्रैक को प्रदर्शित करती हैं।

इसके ठीक बाद F की आकृति वाला अक्षर, जो ऊपर की और जाता हुआ दिख रहा है, डबल स्टैक कंटेनर और मालगाड़ी के तेज रफ्तार को प्रदर्शित करता है। अंत में C अक्षर के बाद दिखने वाला हरा डॉट सिग्नल को सूचित करता है। इसके नीचे काले रंग से देवनागरी लिपि में डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर लिखा गया है। यह टेक्स्ट (लोगो टाइप) डीएफसी के लोगो का अहम हिस्सा है।

लोगो डिजाइन में लाल, हरे और काले रंग का इस्तेमाल किया गया है। लाल रंग की दृश्यता (visibility) सबसे अधिक होती है और यह रंग देखने वालों को दूर से आकर्षित करता है। हरा रंग ग्रीन सिग्नल को सूचित करने के लिए है। लोगो का बैकग्राउंड कलर सफेद है। गहरे रंग के बैकग्राउंड पर लोगो का इस्तेमाल गलत है।

डीएफसी लोगो का इस्तेमाल करने में सावधानियां

1. लोगो को इस्तेमाल करते समय इसके मूल स्वरूप में किसी तरह परिवर्तन, प्रयोग, नवीनीकरण नहीं किया जाना चाहिए।
2. लोगोटाइप (देवनागरी लिपि में लिखा डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर), जो लोगो सिंबल के नीचे दिखाई देता है, लोगो का हिस्सा है। इसके बिना लोगो का इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए।
3. यदि लोगो को ब्लैक ऐंड व्हाइट में इस्तेमाल करना है, तो हरे डॉट की जगह ग्रे कलर इस्तेमाल करें। बाकी हिस्से में काले रंग का इस्तेमाल करें। यहां पर बैकग्राउंड सफेद होना चाहिए।
4. अलग–अलग इस्तेमाल के लिए लोगो के मानक आकार (Standard Sizes) तय किए गए हैं। उदाहरण के लिए लेटरहेड के लिए लोगो का आकार अलग होगा और लिफाफे या विजिटिंग कार्ड के लिए अलग।

विनोद अग्रहरि
कंसलटेंट/कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ

डीएफसीसीआईएल के कॉर्पोरेट कार्यालय में दिनांक 31.10.2016 को राष्ट्रीय एकता दिवस (National Unity Day) मनाया गया। इस अवसर पर डीएफसीसीआईएल के प्रबंध निदेशक श्री आदेश शर्मा ने अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। इस अवसर पर श्री एच. डी. गुजराती, निदेशक/परिचालन एवं व्यवसाय विकास, श्री अंशुमान शर्मा, निदेशक/परियोजना नियोजन तथा श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना भी मौजूद थे। देश भर में यह दिन सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

पश्चिमी डीएफसी में शत-प्रतिशत कांट्रैक्ट अवार्ड का लक्ष्य पूरा

डीएफसीसीआईएल ने कांट्रैक्ट अवार्ड में और एक मील का पत्थर पार कर लिया है। पश्चिमी डीएफसी के दादरी–रेवाड़ी सेक्शन में एकीकृत कांट्रैक्ट अवार्ड करने के साथ ही डीएफसीसीआईएल ने पश्चिमी डीएफसी में सभी कांट्रैक्ट अवार्ड कर दिए हैं। इस सेक्शन की लंबाई 128 किलोमीटर है और ऐसा पहली बार हुआ है, जब पश्चिमी डीएफसी में सिविल, इलेक्ट्रिकल और सिग्नल–टेलीकॉम का एकीकृत कांट्रैक्ट अवार्ड किया गया है। इस कांट्रैक्ट की लागत रु. 3898.9 करोड़ है।

इसके साथ ही, पश्चिमी डीएफसी में रु. 32,683 करोड़ के कुल 19 कांट्रैक्ट अवार्ड कर दिए गए हैं। इनमें रु. 23,910 करोड़ के 10 सिविल कांट्रैक्ट, रु. 7,330 करोड़ के पांच सिस्टम कांट्रैक्ट तथा रु. 1443 करोड़ के चार कंसलटेंसी/प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कंसलटेंसी कांट्रैक्ट शामिल हैं।

ब्रिक्स व्यापार मेले में डीएफसी

डीएफसीसीआईएल ने 12 से 14 अक्टूबर तक नई दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित ब्रिक्स व्यापार मेले में भाग लिया। डीएफसीसीआईएल के स्टाल पर देश–विदेश से आए हजारों लोगों को परियोजना के बारे में जानकारी दी गई।

ब्रिक्स पाँच देशों– ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका का समूह है। इस व्यापार मेले में, ब्रिक्स देशों के अलावा बंगलादेश, भूटान, म्यांमार, थाइलैंड, नेपाल और श्रीलंका ने भी भाग लिया। व्यापार मेले का थीम 'बिल्डिंग ब्रिक्स– इनोवैशन फॉर कलैबरेशन' था।

MD Visit

श्री आदेश शर्मा, प्रबंध निदेशक/डीएफसीसीआईएल एवं
श्री डी. एस. राणा, निदेशक/अवसंरचना ने दिनांक 11.11.2016 को
अहमदाबाद फील्ड यूनिट का निरीक्षण किया

माह के उत्कृष्ट कर्मचारी

अक्टूबर 2016

श्री विनोद कुमार
सहायक परियोजना प्रबंधक/
इंजीनियरिंग, अंबाला

नवंबर 2016

श्री कुलदीप कुमार
उप महाप्रबंधक/सर्तकता
कार्पोरेट कार्यालय

दिसंबर 2016

श्री संजीव खन्ना
प्रबंधक/ वित्त
कॉर्पोरेट कार्यालय

कार्य की प्रगति

पूर्वी डीएफसी के खुर्जा–भाऊपुर सेक्शन में तैयार एक माइनर ब्रिज

पश्चिमी डीएफसी के रेवाड़ी–इकबालगढ़ सेक्शन में चल रहा निर्माण कार्य

पूर्वी डीएफसी में टूंडला के पास मेजर ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर

डेडीकेटेड फ्रेट कोरीडोर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा प्रकाशित। कृपया पत्र–व्यवहार इस पते पर करें: संपादक, डीएफसी समाचार, पंचम तल, प्रगति मैदान, मेट्रो स्टेशन भवन परिसर, नई दिल्ली– 110001, फैक्स 91-112345827, ईमेल: jkjain@dfcc.co.in, rkhare@dfcc.co.in
वेबसाइट: www.dfccil.gov.in **संपादक:** जे.के. जैन, **सह-संपादक:** राजेश खरे

www.facebook.com/dfccil.india www.twitter.com/dfccil_india www.youtube.com/dfccilindia